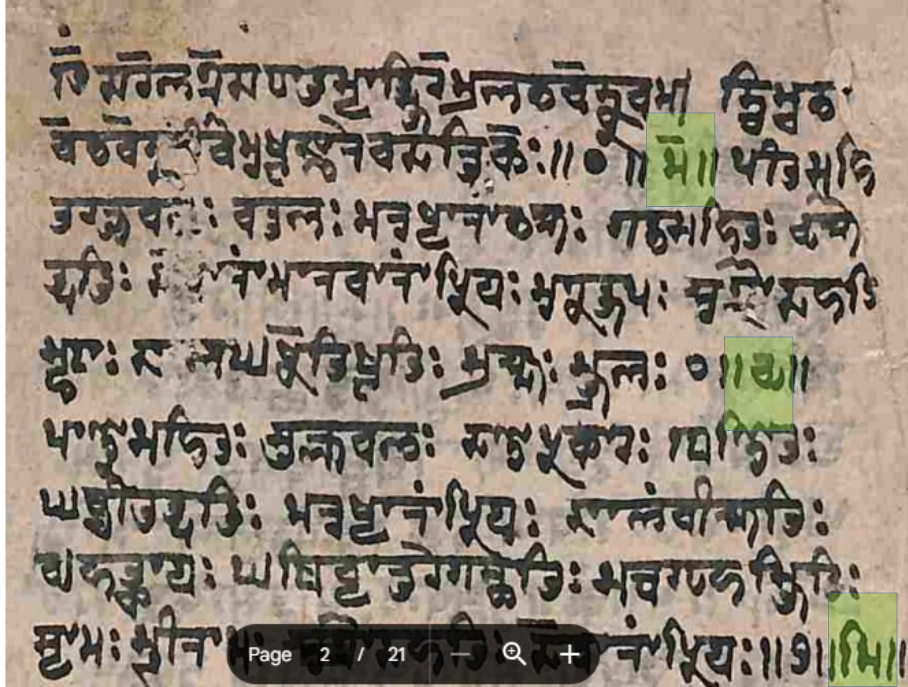
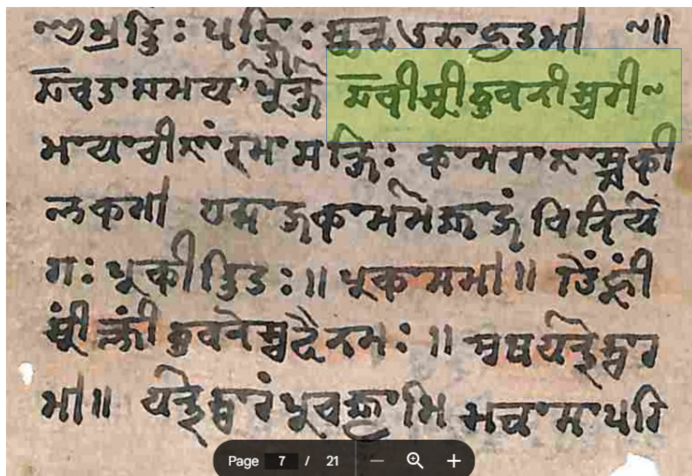
baramulla 1 (1-10-2023)

Title: Jyotisha Vichara -Devi Bhuvaneshvari Mantra-Avaahana Mantra-Devi Mahatmya (Markandeya Purana)

Jyotisha Vichara (12 Rashis)



Devi Bhuvaneshvari Mantra



Avaahana Mantra

Devi Mahatmya (Markandeya Purana)

𑆱𑆳𑆬𑆥𑆶𑆴𑆠𑆥𑆶𑆴𑆠 𑆩𑆶𑆓𑆳𑆑𑆂 𑆮𑆳𑆬𑆥𑆶𑆑𑆳𑆫𑆂 𑆑𑆴𑆯𑆶
𑆱𑆷𑆘𑆩𑆼𑆢 [illegible]𑆠𑆂 𑆩𑆶𑆓𑆳𑆑𑆂 𑆱𑆳𑆬𑆼𑆯𑆑𑆼𑆮𑆁 𑆯𑆵𑆤𑆳𑆩𑆂
𑇆𑇒𑇆 [illegible]𑇆 [illegible]𑆂 [illegible]𑆂 𑆱𑆳𑆬𑆁𑆮𑆵𑆑𑆳𑆠𑆂 [illegible]
[illegible]𑆑𑆳𑆫𑆂 𑆥𑆁𑆤𑆳𑆩𑆂 [illegible]𑆁 [illegible]𑆪𑆂 𑆩𑆁
[illegible]𑆂 [illegible]𑆂 [illegible]𑆑𑆳𑆫𑆂
[illegible] 𑆑𑆴𑆯𑆶[illegible]𑆂 𑇆𑇓𑇆 [illegible]𑇆 [illegible]
[illegible]𑆂 [illegible]𑆂 𑆯𑆵𑆤𑆳𑆩𑆂 [illegible]𑆑𑆳𑆫𑆂
[illegible]𑆪𑆂 [illegible]𑆪𑆂 𑆑𑆴𑆯𑆶[illegible]𑆩𑆼𑆢
[illegible]𑆂 [illegible]𑆂 [illegible]𑆂 [illegible]𑆂 [illegible]
[illegible]𑆂 [illegible]𑆂 [illegible]𑆂 𑇆𑇔𑇆 𑆩𑆁𑇆
[illegible]𑆂 𑆥𑆁𑆤𑆳𑆩𑆂 [illegible]𑆂 [illegible]𑆂 [illegible]
[illegible]𑆩𑆼𑆢 [illegible]𑆂 𑆩𑆶𑆓𑆳𑆑𑆂

उग्रः शृङ्गी कि[illegible]लः सर्वेषां नित्यं प्रियः प्रीत
वृत्तिः ॥१॥ ॐ ॥ [illegible]सर्वज्ञः [illegible] पंचमः
[illegible] प्रियः [illegible]ः [illegible]ः
[illegible] सर्वेषां [illegible] [illegible]ः [illegible]ः
सर्वेषां प्रियः प्रीतवृत्तिः सर्व[illegible]ः
११ ॥ श्री ॥
[illegible]ः [illegible]ः [illegible]ः [illegible]ः [illegible]
[illegible]ः [illegible]ः सर्व[illegible] प्रियः
[illegible] सर्व[illegible]ः [illegible]ः
[illegible]ः [illegible]ः [illegible]
[illegible]ः ॥ [illegible] ॥

सवमन्त्रेश्वरः ॥ पूर्वं समुद्भवमाया कमल
कमरमलकः ध्येत्वमेमदेमाद्रि नम
मद्वेभ्वर्ग्रां ध्येत्क्रं भुवनेश्वरः मन्त्रभु
दमकराक्षिः नभुरसे मव सोमं न
किञ्चिदपि विहुत ॥ माकासमध्ये त्र्यै
यं मन्त्रः श्रीमद्भुवनः पश्चिः ह्रीं शक्ति
भुक्तिः पद्धिः कुलउमहुतमा ॥
सिद्धमममय भैत्र सर्वी श्री भुवनेश्वरी
मायावीनं रभ मक्तिः कमरमस्वकी
लकमा रमउक मेमकं विनियो
गः पूकीलितः ॥ धकमसमा ॥ ॐ ह्रीं
श्रीं क्लीं भुवनेश्वर्यै नमः ॥ ममयन्त्रेश्व
मा ॥ यन्त्रेश्वरं भुवनम्भि मवमपदि

मे ॥ वेडाल भंज ति पनि गूज डु मम
मे: मैठं विकत्ति गिरिल डु व भाज ।
मटत्तु ॥ ७ ॥ कल्दे भमं जल्ल केलि
धुपञ्ञि डवि । मकि नि पि कधमसू ।
गचि डु क्क वाचि ॥ भ्रुलेके नडवके ।
भलि डुधि भडग । [illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
मूक्कवीर्थी [illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

भृते॥५९॥ भवाढि कमलविष्टैः
भ्रुतेवृक्ष भूरपति ॥ [illegible] ते व
भवीथे सिधू भधूम ए नन्दनभा॥५०
॥ उधूवयेग निमूत भेकशृह प
यभ्रुत ॥ विवेण नाउपदग ह री
नइरुतालयामा॥५१॥ विष्टमुगी
एगहृशी भ्रुतिमन्दग कालिनी
म॥ भूगमिनिमू भगवती विष्णुरउ
लउ एभः॥५३॥ वृक्षवाम॥ द्वश
दवं भणइंजि वषक्र भूणद्विक
॥ भूणद्र भदूर निटे ध्रिकभाइाद्रि
काभ्रुता॥५२॥ मचभात्राभ्रुत
निटं याप्रभ्रादा विमेषत॥ द्वम
वभक्ष भार्गवती द्वं [illegible] एननीपग
॥५५॥ द्वये उमुटे उ विमु द्वयउद्र
हृण्ड एगउ॥ द्वयेडछ लृत ठवि

कमनूत्रिम भवस्य ॥५१॥ विभद्धि
मद्धिद्रुपद्वभित्रिद्रुपभिपाल
ने ॥ उघा मं हत्रिद्रुपत्रे ॥ लगडे
भिलगवुये ॥५२॥ भग विद्रभ
गमायाभग भग भगस्मृत्रि॥
भग भग भगवती भगकेवी भग
स्वी ॥५३॥ भगत्रिं स्वभवमृग
लद्रुयाविहवनी ॥ कलगद्विसि
गगद्विमिग गद्वस्वमगक ॥५४॥
॥ द्वंमी स्वंभी स्वगींद्रही स्वंबसि ड्रेण
लद्रु ॥ लद्रु भद्रि भघा उभिं
मात्रि: कत्रिविम ॥६०॥ पाकु
कुलिनी भैम गाछिनी कछि उघा
॥ मद्विनी मपनी गा उ कुम ठीम
भिमायुक ॥६०॥ भेमूभेमूड
मेव भेभूहभूउभुकवी ॥ पमभा

सर्वलोकहृद[illegible]॥११॥ सिद्धे तु
मूर्ति सत्त्व[illegible]यातु[illegible]
[illegible]
[illegible]॥१२॥ [illegible]
[illegible]॥ [illegible]
[illegible]
[illegible]॥१३॥ ततः [illegible] देवी ।
[illegible]॥ [illegible]
[illegible] देवी [illegible]॥१४॥
[illegible]
[illegible]॥ [illegible] देवी [illegible] ।
[illegible]॥१५॥ ततः
[illegible]
[illegible]॥ [illegible] देवी [illegible]
[illegible]॥१६॥ [illegible]
[illegible]॥

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

𑇄 𑆃𑆱𑇀𑆪 𑆯𑇀𑆫𑆵 [illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible] 𑆨𑆓𑆮 [illegible]
[illegible]
[illegible] 𑆨𑆓𑆮 [illegible]
[illegible] 𑆮𑆴𑆰𑇀𑆟𑆶𑆂 𑆱𑆬𑆑𑇀𑆰𑇀𑆩𑆵
𑆑𑆂 𑆱𑆫𑇀𑆮𑆥𑆳𑆥𑆲𑆫𑆂 𑆱𑆫𑇀𑆮𑆱𑆴𑆢𑇀𑆣𑆴𑆢𑆂 𑆱𑆑𑆬𑆤𑆴𑆰𑇀𑆑𑆬
[illegible]
[illegible] 𑆬𑆑𑇀𑆰𑇀𑆩𑆵𑆱
[illegible] 𑆥𑇀𑆫𑆵𑆪𑆠𑆳𑆁 𑆥𑇀𑆫𑆵𑆠𑆾𑆱𑇀𑆠𑆶 𑇆 𑆅
𑆠𑆴 𑆯𑇀𑆫𑆵 [illegible]

मेभन्मद्दभक्लन्मद्दभद्दनिवन्मनी भद्दम।
भद्दवद्दभद्दवमूरन्नधिया मगीगवन्मनीवन्म
वमरुन्व भरुकिन्उ कयन्लडुजन्लनकली कलि
कन्कल्लनमिनी गीडन्गोडभियन्गान्व भुगीडन्
डिमनलिनी विमयौनीविमुभन्ड विमवद्धूदपभयी
मीर्विमन्वन्म ॥ उडिमुद्दवमन्वेमु मीमभिकुल।
णनि॥: भरुकल्लीकलन्डीडे विवन्मवुमवंम
दडा॥ मूमिवडवन्म ॥ डवन्मलन्मरुन्डविण
यडंन्कविकिनडम्न मन्यान्ववन्किवि धन्जिदेनेल
पन्लके॥ मीके भुवन्म ॥ ण्ववमभ्सुडिकेवमभ्रुडं
पन्वंविडे मल्लठंदविड्न्वेवम भुमुद्दःठल्लठम
वनिभ्मिविणपकमा। भरुकल्लीधकुन्डे पन्डमु
भुमडीयविवि। मन्नन्गवकेनमकु मद्देमवनकुडं
मिव। मद्दभूयडेन्नवमभुभिभुविभुन्पकमा
भरुकल्लिभ्रुकुन्डे पन्डमु भुमडीयविवि। भुमद्दऽव
ल्लनठेडा यभुम्न्भन्द्द्द्न्वभुद्दन्पवंद्दलेन ॥
उडिमूभमकुन्केव भरुन्भन्पवद्दिकेवमभुम्डवी
भरुभ्न्देवेवभ्रिडुनीकुपन्भा ॥ ८ ॥ डेमीर
धिकदन्म ॥ डेकुमेन्भ्रलन्वेदेवीभ्रदन्वमम
कविन्न भयुडुभ्रन्नयकुपन्वेवीभन्द्दडिडन्यवे ॥

[illegible]